IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"दिव्यांगजनो के लिए विशिष्ट रूप से डिजाइन की गई लाइब्रेरी का स्वरूप"

कु. विनीता ताम्रकार

सहायक ग्रंथपाल

महर्षि महेशयोगी वैदिक विश्वविद्यालय

करौंदी, कटनी (म.प्र.)

सार:- दिव्यांगजनो के लिए विशिष्ट रूप से डिजाइन की गई लाइब्रेरी जिसमें अस्थायी या स्थायी रूप से कम दृष्टि, अंधेपन या शारीरिक, अवधारणात्मक या पढ़ने की अक्षमता वाले लोगों के लिए एक निःशुल्क ब्रेल और टॉकिंग बुक लाइब्रेरी सेवा है जो उन्हें नियमित प्रिंट सामग्री का उपयोग करने से रोकती है। सहयोगी पुस्तकालयों के एक राष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से, नेशनल लाइब्रेरी सर्विस ब्रेल या ऑडियो प्रारूपों में पुस्तकों और पत्रिकाओं को प्रसारित करता है, जिन्हें तुरंत किसी व्यक्तिगत डिवाइस पर डाउनलोड किया जा सकता है या मेल द्वारा निःशुल्क वितरित किया जा सकता है।

कीवर्ड:- ऐतिहासिक पृष्ट्भूमि, भौतिक पहुंच, तकनीकी पहुंच, सेवाएँ और समर्थन, उपकरण और सॉफ्टवेयर |

प्रस्तावना:- जिज्ञासु विद्यार्थियों के मन में उठने वाले सवालों के जवाब एवं उससे संबधित संसाधन केवल पुस्तकालय से ही प्राप्त किये जा सकते है पुस्तकालय में अध्ययन, अनुसंधान और चिंतन के लिए शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करते है, जिससे बौद्धिक विकास और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है डिजिटल संसाधनों और इंटरनेट की सुविधा के साथ पुस्तकालय आज के युग में छात्रों के लिए एक बहुमूल्य संसाधन बन चूका है पुस्तकालय पुस्तकों के संग्रह तक सीमित नहीं है अपितु यह मुद्रित जर्नल्स , ई-पुस्तक, ई-जर्नल्स , सी डी, डीवीडी , शोध पत्र-पत्रिकायें, मैनुस्क्रिप्ट, बिब्लोग्राफी, एनसायक्लोपीडिया, एवं अन्य सामग्री का संग्रह किया जाता है जिससे की सभी प्रकार के यूजर अपने विषय से संबंधित सामग्री प्राप्त कर सकें | पुस्तकालय भवन को इस प्रकार डिजाइन किया जाता की यूजर की पहुंच आसान हो सकें पुस्तकालय संसाधनों की सुविधा सभी पुस्तकालय में अलग - अलग प्रकार से होती है जैसे- व्यवसायक पुस्तकालय में व्यवसाय से सम्बंधित, दिव्यांग लोगो के लिए पुस्तकालय जिसमें ब्रेल और ऑडियो पुस्तकों का संग्रह एवं एक्सेसिबल बनाने के लिए कैप्शन और ट्रांसक्रिप्ट की व्यवस्था, टेक्नोलॉजी से सबंधित पुस्तकालय , अंतरिक्ष से संबंधित पुस्तकालय, एवं पब्लिक पुस्तकालय आदि |

विकलांग व्यक्तियों के लिए पुस्तकालय सेवाओं की ऐतिहासिक पृष्ट्भूमि,

सदी में अंधे लोगो के लिए पुस्तकालय सेवाओ का कोई अस्तिस्व नही था किन्तु लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस द्वारा नेशनल लाइब्रेरी सर्विस (एनएलएस) की स्थापना 1931 में कांग्रेस के एक अधिनियम द्वारा की गई थी, और 1934 में इसमें ध्वनि रिकॉर्डिंग (टॉकिंग बुक्स) को शामिल करने के लिए संशोधन किया गया था। 1952 में अंधे बच्चों को शामिल करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया गया, 1962 में संगीत सामग्री को शामिल किया गया, और 1966 में शारीरिक विकलांगता वाले व्यक्तियों को शामिल किया गया जो मानक प्रिंट को पढ़ने में बाधा डालते हैं। 2016 में, एनएलएस को रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले प्रदान करने की अनुमति दी गई ।

नेशनल लाइब्रेरी सर्विस फॉर द ब्लाइंड एंड प्रिंट डिसेबल्ड (एनएलएस) ब्रेल और ऑडियो सामग्री जैसे पुस्तकों और पत्रिकाओं का एक मुफ्त पुस्तकालय कार्यक्रम है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में पात्र उधारकर्ताओं और विदेशों में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों को डाक-मुक्त मेल और ऑनलाइन डाउनलोड के माध्यम से वितरित किया जाता है। कार्यक्रम को लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस द्वारा प्रायोजित किया जाता है । लोग पात्र हो सकते हैं यदि वे अंधे हैं , उनमें कोई दृश्य विकलांगता है जो उन्हें सामान्य प्रिंट पढ़ने से रोकती है, या कोई शारीरिक विकलांगता है जो उन्हें किताब पकड़ने से रोकती है। पुस्तकालय सामग्री क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय पुस्तकालयों में वितरित की जाती है

1950 के दशक में भारत में दिव्यांग लोगो के लिए शिक्षा और सामाजिक समर्थन पर ध्यान केंद्रित किया गया इस द्वारान कई संगठनों और संस्थाओं ने दिव्यांग लोगो के लिए लाइब्रेरी की स्थापना की|

नेशनल लाइब्रेरी फॉर थे ब्लाइंड (एन एल बी) 1951 में नेशनल लाइब्रेरी फॉर थे ब्लाइंड की स्थापना मुंबई में की गई यह लाइब्रेरी दिव्यांग लोगो के लिए ब्रेल और ऑडियो पुस्तकों का संग्रह प्रदान करती है

क्षेत्रीय लाइब्रेरी: 1960 के दशक में भारत सरकार ने दिव्यांग लोगो के लिए क्षेत्रीय लाइब्रेरी की स्थापना की ये लाइब्रेरी दिव्यांग लोगो के लिए ब्रेल, ऑडियो और ई -पुस्तकों डीके एक्सेस प्रदान करती है

डिजिटल लाइब्रेरी : 2000 के दशक में भारत में डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुवात की गई | ये डिजिटल लाइब्रेरी दिव्यांग लोगो को ऑनलाइन पुस्तकों और पत्रिकाओं और अन्य संसाधन का एक्सेस प्रदान करती है |

भौतिक पहुंच:-

- रैम्प और लिफ्ट:- लाइब्रेरी में लैम्प और लिफ्ट आने की व्यवस्था करना ताकि व्हीलचेयर वाले लोग आराम से अंदर जा सकें |
- वाइड दरवाजे और गलियारे :- गलियारे और दरवाजे इतने चौड़े होना चाहिए की व्हीलचेयर आसानी से गुजर सकें |
- एक्सेसिबल टॉयलेट :- विकलांग लोगो के लिए विशेष टॉयलेट की व्यवस्था करना जिसमे व्हीलचेयर के लिए जगह और समर्थन के लिए हैंडल हो |

तकनीकी पहुंच :-

- एक्सेसिबल वेवसाइट :- लाइब्रेरी की वेवसाइट को विकलांग लोगो के लिए एक्सेसिबल बनाना ताकि वे ऑनलाइन संसाधनों तक आसानी से पहुंच बना सकें |
- स्क्रीन रीडर और अन्य सहायक तकनीक :- लाइब्रेरी में स्क्रीन रीडर और अन्य सहायक तकनीक की व्यवस्था करना ताकि दृष्टि बाधित लोग भी संसाधनों का लाभ उठा सकें |

- ऑडिओ और वीडियो सामग्री :- ऑडिओ और वीडियो सामग्री को एक्सेसिबल बनाने के लिए कैप्शन और ट्रांसक्रिप्ट की व्यवस्था करना |

सेवाएँ और समर्थन :-

- विकलांग लोगो के लिए विशेष सेवाएँ :- लाइब्रेरी में विकलांग लोगो को विशेष सेवाऐं प्रदान करना जैसे - व्यक्तिगत सहायता, ऑडिओ बुक्स, ब्रैल सामग्री |
- स्टाफ का प्रशिक्षण :- लाइब्रेरी के स्टाफ को विकलांग लोगो के साथ काम करने के लिए प्रशिक्षण करना ताकि वे उनकी अवश्यकताओं को समझ सकें और उन्हें उचित सहायता प्रदान कर सकें |
- सामुदायिक संबंध :- विकलांग लोगो के संगठनो और समुदाय के साथ सम्बन्ध बनाना ताकि लाइब्रेरी की सेवाएँ और संसाधन द्वारा उनकी आवश्यकताओ को पूरा किया जा सकें |

उपकरण और सॉफ्टवेयर :-

दिव्यांग लोगो के लिए उपयोग में लाये जाने वाले सॉफ्टवेयर और उनके उपकरण निम्न प्रकार है

- कुर्जवील 3000 पढ़ने लिखने और सीखने का सॉफ्टवेयर
- प्रेरणा U8 माइंड मैपिंग सॉफ्टवेयर
- पाठ पढ़ने और मदद करने वाला गोल्ड वी व उन व्यक्तियों की सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है जिन्हे पाठ पढ़ते या लिखते समय अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है
- ड्रैगन ने चुरली स्पीकिंग भाषण पहचान सॉफ्टवेयर 8 /11 फ्लैट स्क्रीन मॉनिटर बनाया है|

भारत में स्थापित दिव्यांग लोगो के लिए पुस्तकालय :-

1. राष्ट्रीय सुगम पुस्तकालय , देहरादून
2. पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान, नई दिल्ली
3. दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
4. राष्ट्रीय बहु दिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान

निष्कर्ष:- वर्तमान युग में शिक्षा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है चाहे वह दिव्यांग हो या गरीब, भारत को शिक्षित भारत बनाना हमारा दायित्व है इस दायित्व को पूरा करने के लिए प्रत्येक पुस्तकालय के पुस्तकलयाध्यक की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है की वह अपने पुस्तकालय में सभी उपयोग में ली जाने वाली सामग्री का संग्रह एवं अपडेट समय समय पर करते करना चाहिए और यूजर तक उसकी पहुँच बनाये रखना चाहिए| इलेक्ट्रॉनिक युग में कोई भी व्यक्ति ऐसा न हो जिसे पुस्तकालय की सुविधा से वंचित रखा जाए उसके लिए हमें समय-समय पर प्रोग्राम कर लोगो को लाइब्रेरी के प्रति जागरूक करने के लिए हर कदम उठाना चाहिए जिससे की शिक्षित भारत का लक्ष्य को पूरा किया जा सकें और हर घर शिक्षा पहुंचा सकें |

ग्रंथसूची:-

1. https://ebooks.inflibnet.ac.in/lisp13/chapter/library-servicesfor-the-specially-abledpersons/
2. https://www.loc.gov/nls/
3. https://www.meta.ai/
4. राहुल मित्तल :- दिव्यांग और डिजिटल भारत, राहुल मित्तल